

ग्रामीण अंचलों में गणगौर उत्सव की धूम 'आदिरंग' में आज निमाड़ और उड़ीसा की कलाओं का संगम



कई स्थानों पर आज खुलेंगी 'माता की बाड़ियाँ'

नवभारत न्यूज

खंडवा। निमाड़ के लोक पर्व गणगौर का उत्साह अब अपने चरम पर पहुंच गया है। चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मनाए जाने वाले इस उत्सव में आज का दिन विशेष महत्व रखता है, क्योंकि आज कई स्थानों पर और ग्रामीण क्षेत्रों में माता की बाड़ियाँ खोली जाएंगी। नौ दिनों तक अंधेरे कक्ष में पूर्ण श्रद्धा और पवित्रता के साथ सेवा किए गए ज्वारों को आज सार्वजनिक दर्शन और पूजन के लिए बाहर लाया जाएगा। ग्रामीण अंचलों में इस परंपरा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है,

जहाँ माता रेणुका और धनियार राजा की अगवानी के लिए गाँव की गलियों को सजाया गया है। बाड़ी खुलने के साथ ही माता की सेवा का अगला चरण शुरू होगा। ढोल-ताशों की थाप और पारंपरिक गणगौर गीतों के बीच महिलाएँ सिर पर ज्वारों की टोकरी और माता की प्रतिमाएँ धारण कर नृत्य करेंगी। मान्यता है कि ज्वारों का अच्छी तरह अंकुरित होना सुख-समृद्धि और आने वाली अच्छी फसल का संकेत है। यही कारण है कि किसान परिवारों में इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सामूहिक रूप से बाड़ी पूजन के आयोजन किए जा रहे हैं, जहाँ पूरा

गाँव एक सूत्र में बंधकर लोक संस्कृति के इस महापर्व में सम्मिलित हो रहा है। अगले कुछ दिनों तक इन ज्वारों और माता की प्रतिमाओं को मोहल्लों और गाँवों में घुमाया जाएगा, जिसके बाद पूरे विधि-विधान के साथ इनका जल-स्रोतों में विसर्जन (झालरिया देना) किया जाएगा। खंडवा के आसपास के क्षेत्रों में गणगौर की यह गूँज न केवल धार्मिक आस्था को दर्शाती है, बल्कि यह निमाड़ी संस्कृति की उस जीवंतता का भी प्रतीक है जो पीढ़ियों से चली आ रही है। सिरपुर में रथ बुवाई आज, सिलोदा में 23 मार्च को होगा भंडारा - आज ग्राम सिरपुर में माता

की बाड़ी के विसर्जन और 'रथ बुवाई' का पारंपरिक आयोजन चौधरी परिवार द्वारा किए जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। वहीं 23 मार्च को ग्राम सिलोदा में भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजन में प्रसादी और दर्शन की व्यापक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। गणगौर पर्व और माता की सेवा के इन अनुष्ठानों के चलते पूरे निमाड़ अंचल में आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है, जहाँ ग्रामीण अपनी अटूट श्रद्धा के साथ इन प्राचीन परंपराओं का निर्वहन कर रहे हैं।

● केन्द्रीय राज्यमंत्री उड़के होंगे शामिल

खंडवा। जनजातीय संस्कृति, कला और लोक संगीत के अन्तर्गत 'आदिरंग' महोत्सव का दूसरा दिन हरसूद में शनिवार को जनजातीय नृत्य, संगीत एवं शिल्प कलाओं पर केंद्रित इस 3 दिवसीय महोत्सव में विभिन्न अंचलों की सांस्कृतिक झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनजाति विभाग के केन्द्रीय राज्यमंत्री दुर्गादास उड़के शिरकत करेंगे। अध्यक्षता सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल करेंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में खंडवा विधायक कंचन मुकेश तनवे, पंधाना विधायक छाया मोरे और मांथाता विधायक नारायण पटेल उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में लोक कलाओं की विविधता बिखरेगी:

- ▶ भौली गायन: आनन्दी लाल मावेल (धार) द्वारा जनजातीय स्वरलहरियाँ।
- ▶ नर्मदा प्रवाह: स्वागतिका स्वाई (भोपाल) द्वारा मनमोहक नृत्य-नाटिका।
- ▶ नृत्य वैभव: महाराष्ट्र का प्रसिद्ध भवाड़ा नृत्य (विष्णु आनंद गवली), सागर का बरेली नृत्य (मयंक यादव) और रथोपुर के सहरीया आदिवासियों का लहंगी नृत्य (रामलखन आदिवासी) प्रमुख आकर्षण होंगे।
- ▶ इसके अलावा बड़वाह के संजय महाजन एवं सांथियों द्वारा गणगौर नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी, वहीं उड़ीसा से आए आलोक रंजन साहू एवं साथी 'डोमसा' नृत्य के साथ दर्शकों का मन मोहेंगे।

नवचंडी मेले में भीषण आग, ईद मनाने घर गए परिवार की दुकान जलकर खाक



नवभारत न्यूज

खंडवा। शहर के नवचंडी मेले में शुक्रवार सुबह उस वक़्त अफ़रा-तफ़री मच गई, जब एक प्लास्टिक और कटलरी की दुकान में भीषण आग लग गई। इस हादसे में पीड़ित व्यापारी का लगभग 4 लाख रुपये का सामान जलकर खाक होने का अनुमान है। घटना के बाद मेले में सुरक्षा इंतजामों को लेकर नगर निगम और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना सुबह करीब 9 बजे की है। बताया जा रहा है कि दुकान के पीछे स्थित कचरे के ढेर में लगाई गई आग ने अचानक विकारक रूप ले लिया और पास ही स्थित अरमान खान की प्लास्टिक दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। गनीमत रही कि सुबह का समय होने के कारण मेले में भीड़ नहीं थी और दुकानदार अपने परिवार के साथ ईद मनाने घर गए हुए थे, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। हादसे के बाद मेला व्यापारियों



और स्थानीय नागरिकों में भारी रोष देखा जा रहा है। व्यापारियों का आरोप है कि इतने बड़े आयोजन के बावजूद मेला परिसर में आग बुझाने के प्राथमिक उपकरण या फायर ब्रिगेड की तैनाती नहीं थी। वही आग लगने के काफी देर बाद सूचना देने पर दमकल की गाड़ियाँ मौके पर पहुंचीं। आरोप यह भी लगाया जा रहा है कि नगर निगम के ठेकेदार ने मेले को पेटी कॉन्ट्रैक्टर पर दे दिया था, जिसके कारण नियमों की अनदेखी की गई। रामेश्वर

पुलिस चौकी प्रभारी सुभाष नावडे ने बताया कि दो फायर ब्रिगेड की मदद से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे अन्य दुकानें चपेट में आने से बच गईं। दुकान में रखे प्लास्टिक आइटम्स, स्टील के बर्तन और कटलरी का सामान पूरी तरह नष्ट हो गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, नवचंडी मंदिर के महंत बाबा गंगाराम ने इसे आयोजकों और नगर निगम की बड़ी लापरवाही करार दिया है।

पेट्रोलियम आपूर्ति के लिए कंट्रोल रूम शुरू

मॉनिटरिंग के लिए दल गठित खंडवा। जिले में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने आवश्यक कदम उठाए हैं। पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति में समन्वय, कमर्शियल गैस सिलेंडरों के प्राथमिकता के आधार पर वितरण और उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए जिला स्तर पर एक समर्पित कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका दूरभाष नंबर 0733-2223497 जारी किया गया है। प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए अपर कलेक्टर के आर बडोले की अध्यक्षता में एक जिला स्तरीय समिति का भी गठन किया गया है। इस समिति में सदस्य सचिव के रूप में प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी दिनेश सावले सहित इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सेल्स ऑफिसर्स को शामिल किया गया है।

कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्षों की घोषणा



विशाल जैन

इमरान गौरी

▶ विशाल जैन, इमरान गौरी को शहर की कमान

खंडवा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जमीनी स्तर पर संगठन को नई ऊर्जा देने और आगामी चुनौतियों के लिए कमर कसते हुए प्रदेशभर में व्यापक फेरबदल किया है। जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रवक्ता प्रेमांशु जैन के अनुसार, खंडवा जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में संगठन को विस्तार दिया गया है। मांथाता विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पुनासा से दिनेश पंवार, किल्लोद से गिरवर सिंह और ओंकारेश्वर उपब्लॉक की कमान नादानसिंह सोलंकी को दी गई है। इसी प्रकार हरसूद विधानसभा के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में रघुवीर सिंह

चौहान को हरसूद, बसंत पंवार को खालवा, चंपालाल पटेल को सुंदरदेव गुलाई और सरोज बघेल को रोशनी उपब्लॉक की जिम्मेदारी मिली है। पार्टी ने खंडवा विधानसभा क्षेत्र में भी संतुलन साधते हुए ग्रामीण क्षेत्र के लिए पवन पाटीदार, दक्षिण शहर के लिए विशाल जैन और उत्तर शहर के लिए इमरान गौरी को अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं, पंधाना विधानसभा क्षेत्र में संजीव पटेल को पंधाना, जय पटेल को छैगांव माखन और कैदार पाटीदार को सिंगोट उपब्लॉक का जिम्मा सौंपा गया है। संगठन विस्तार की इस प्रक्रिया के बाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष (ग्रामीण) उत्तमपाल सिंह और जिला कांग्रेस अध्यक्ष (शहर) प्रतिभा रघुवंशी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

बाल संसद प्रशिक्षण में 90 बच्चों ने लिया भाग

खंडवा। जिले में बाल अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से खंडवा डायोसिसन सोशल सर्विसेस द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। संस्था के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बाल संसद का गठन कर बच्चों में उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को दिव्योदय पास्टोरल सेंटर, खंडवा में एक दिवसीय जिला स्तरीय बाल संसद प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में खंडवा एवं खरगोन जिलों के



लगभग 90 बाल संसद सदस्यों ने

कार्यक्रम में संस्था के निदेशक फादर रॉबिंसन ने कहा कि यह

प्रशिक्षण बच्चों की क्षमता वृद्धि और नेतृत्व कौशल के विकास का महत्वपूर्ण मंच है। कार्यक्रम अधिकारी सुशील फ्रांसिस ने बच्चों को जिम्मेदार नागरिक बनने के मूल्यों से अवगत कराया। वहीं बाल संसद समन्वयक वीरेंद्र चौहान ने बच्चों को उनके अधिकारों तथा बाल संसद में विभिन्न मंत्री पदों के दायित्वों की जानकारी दी। कार्यक्रम के सफल आयोजन में दिनेश कनाडे, हरीश महाजन, लालसिंह पटेल सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।

संकल्प से समाधान... छनेरा में लगा शिविर



खंडवा। संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को उसकी पात्रता के अनुसार सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से विकासखंड स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। छनेरा में शनिवार को शिविर लगाया गया। जनपद अध्यक्ष ममता सावनेर, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष चरण सिंह नायक, विधायक प्रतिनिधि नर्मदा प्रसाद तंवर, एसडीएम आरसी खतेडिया और ब्लाक स्तरीय अधिकारी कर्मचारी भी उपस्थित थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जितेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया कि इस अभियान के दौरान कुल 10,067 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 9941 हितग्राही पात्र पाए गए और 126 अपात्र पाये गये। शिविर के दौरान महिला बाल विकास विभाग से 18, राजस्व विभाग से 9, सहकारिता से 3, नगर पंचायत के 42, स्वास्थ्य विभाग के 10, सामाजिक न्याय के 53, तथा सामान्य प्रशासन विभाग के 5 हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया गया।

गुड़ी पड़वा पर दीप उत्सव के साथ की भारत माता की आरती

खण्डवा। भारत विकास परिषद खंडवा शाखा के द्वारा प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी गुड़ी पड़वा पर्व भव्य स्तर पर मनाया गया। मीडिया प्रभारी नारायण बाहेली ने बताया कि अध्यक्ष रूपेश पालीवाल, सचिव देवेन्द्र सिंह सोलंकी के नेतृत्व में विभिन्न आयोजन व प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। भारत विकास परिषद के सचिव देवेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि खंडवा के हृदय स्थल घंटाघर पर सुबह 9 बजे गुड़ी रोपी गई तथा पूजा की गई। अध्यक्ष रूपेश पालीवाल ने बताया कि सुबह बच्चों के द्वारा घंटाघर के आसपास बहुत ही सुंदर रंगोली मनाई गई। शाम को सभी अतिथियों की उपस्थिति में भारत

ग्राम बोरानी में 23 से 28 मार्च तक होगा शतचंडी महायज्ञ



खंडवा। मृती के समीप ग्राम बोरानी स्थित श्रीराम मंदिर अंबिका करुणा धाम आश्रम में 23 मार्च से 28 मार्च तक भव्य शतचंडी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन समस्त ग्रामवासियों, आश्रम भक्त मंडल एवं क्षेत्रवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। यज्ञ प्रतिदिन दो सत्रों में संपन्न होगा। प्रथम सत्र प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय सत्र दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक आयोजित किया जाएगा। महायज्ञ का विधिवत अनुष्ठान चारों वेदों के विद्वान् आचार्यों के मार्गदर्शन में संपन्न होगा। यज्ञ को संपन्न कराने का दायित्व पंडित सुधांशु शर्मा तथा पंडित दीपांशु शर्मा निभाएंगे। आचार्य पंडित सुधांशु शर्मा ने बताया कि इस अनुष्ठान के लिए उन्हें छोटे सरकार की धूनी वाले दादा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त है। महायज्ञ की पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन 28 मार्च को किया जाएगा, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं के बड़ी संख्या में शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में सहभागी बनने का आग्रह किया है।

रही है। यहाँ इस वर्ष 75 रथों का उत्साह है। 21 मार्च को मां रानू बाई मेहमान बनकर पधारेगी और 22 मार्च को विशाल भंडारे का आयोजन होगा। 13 मार्च से ही नगर में उत्सव का माहौल है। प्रतिदिन महिलाएँ बाड़ी स्थानों पर पहुंचकर निमाड़ी लोकगीत 'झालरिया' दे रही हैं। महानिवाणी अखाड़े में भी 21 मार्च को विशेष पूजन होगा, जहाँ महंत कैलाश भारती की उपस्थिति में श्रद्धालु नर्मदा तट पर माता को जल अर्पित कर एक दिन के मेहमान के रूप में घर ले जाएंगे। नगर परिषद सीएमओ मोनिका पार्थी ने बताया कि पर्व के मद्देनजर संपूर्ण नगर में स्वच्छता, पेयजल और प्रकाश की समुचित व्यवस्था की गई है। थाना प्रभारी अनोख सिंधिया ने भी नागरिकों से शांतिपूर्ण तरीके से उत्सव मनाने की अपील की है। विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं के लिए टेंडर और पेयजल की निशुल्क व्यवस्था की जा रही है।

पालघर के 56 परिवारों ने हिंदू धर्म अपनाकर किए ज्योतिर्लिंग ओंकारेश्वर के दर्शन

ओंकारेश्वर। धर्म और अध्यात्म की नगरी ओंकारेश्वर में आज सांस्कृतिक पुनर्जागरण का अद्भुत संगम हुआ। महाराष्ट्र के पालघर जिले से आए 56 परिवारों, जिन्होंने हाल ही में ईसाई धर्म को त्यागकर पुनः हिंदू धर्म अपनाया है, ने भगवान भोलानाथ के द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक, श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। माथे पर तिलक, गले में कुष्माला और हाथों में श्रद्धा लिए इन सभी 56 श्रद्धालुओं के लिए दर्शन, पूजन और रुकने की समस्त उचित व्यवस्थाएँ प्रसिद्ध समाजसेवी मुकेश काशिफ द्वारा की गई थीं। इस अवसर पर समाजसेवी मुकेश काशिफ ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि आज पूरे देश में हिंदू धर्म के प्रति एक नई जागृति देखी जा रही है।

200 वर्षों की परंपरा का साक्षी बनेगी धार्मिक नगरी ओंकारेश्वर

नवभारत न्यूज

ओंकारेश्वर। निमाड़ अंचल में आस्था का प्रतीक गणगौर उत्सव तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। माता पार्वती का मायका होने के कारण यहां इस पर्व का विशेष महत्व है। चैत्र कृष्ण पक्ष की दूज यानी शुक्रवार को नगर के प्रमुख बाड़ी स्थानों—ब्रह्मपुरी, विष्णुपुरी और शिवपुरी—में माता की बाड़ी के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।



ओंकारेश्वर में लगभग दो शताब्दियों से गणगौर माता की पूजा का सिलसिला अनवरत जारी है। पंडित ललित दुबे, पंडित रामचंद्र परसाई और गजानन गिरी के परिवारों द्वारा यह सेवा पीढ़ी-दर-पीढ़ी निभाई जा रही है। शुक्रवार को ब्रह्म मुहूर्त से ही श्रद्धालु नए वस्त्र धारण कर माता के ज्वारों के दर्शन करने और मन्त्र पुरी करने बाड़ी स्थानों पर पहुंचेंगे। पूजन के परचात

श्रद्धालु धनिया राजा और मां रानू बाई को विशेष रूप से श्रृंगारित कर, उन्हें सिर पर धारण कर ढोल-धमाकों के साथ अपने निवास पर ले जाएंगे। **प्रमुख बाड़ी स्थानों की झलक :-** विष्णुपुरी: यहाँ जेपी चौक पर पुजारी पंडित ललित दुबे के सानिध्य में सबसे बड़ी बाड़ी सजी है। इस वर्ष यहाँ लगभग 130 थैतार किए गए हैं, जिनमें से 95 रथों के साथ भक्त

नाचते-गाते माता को लेने पहुंचेंगे। **शिवपुरी:-** पुजारी पंडित रामचंद्र परसाई ने बताया कि मंदिर निर्माण के कारण इस वर्ष प्रशासन के अनुरोध पर बाड़ी का स्थान परिवर्तित कर मंदिर के पीछे सार्वजनिक स्थल पर रखा गया है। यहाँ माता के भक्तों ने बड़ी श्रद्धा से जवाब दिए हैं। **ब्रह्मपुरी:-** पुजारी गजानंद गिरी की निवास पर पिछले 70 वर्षों से बाड़ी बोई जा